चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

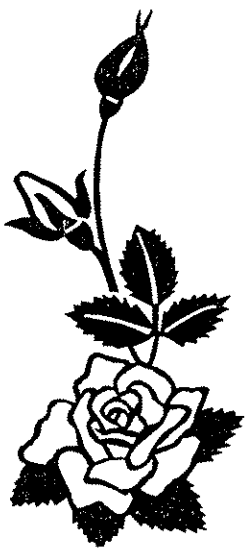

चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.0 प्रस्तावना :–

अध्ययन हेतु डॉ. करूणा शंकर मिश्र द्वारा निर्मित उपकरण के माध्यम से अध्ययन हेतु चुने गये न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या इस अध्याय में किया गया है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समुह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप में होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अन्तर्गत उनकी समस्याओं का अनेक परीक्षणों द्वारा शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त किया जाता है।

जे.एच. पाईनकर के शब्दों में :–

एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है, किन्तु पत्थरों के ढेर से नहीं वरन जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरांत उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।

पी.व्ही. युग के शब्दों में :–

संकलित तथ्यों से उचित संस्थित संबंधों के रूप व्यवस्थित कर विचारपूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है, अर्थात विश्लेषण शोध का सृजनात्मक पक्ष है।

प्रस्तुत अध्याय में उचित सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन हेतु कुल 11 परिकल्पनायें रखी गई हैं। जिसकी जांच करने उपरांत त्वरित प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतीकरण के लिये शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

4.1 नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :–

इस शोधकार्य की प्रथम परिकल्पना यह है कि **"अनु. जनजाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक नियंत्रण के प्रभाव का सार्थक अन्तर नही है।"** इसका अर्थ यह होता है कि पारिवारिक नियंत्रण का अनु. जनजाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.1.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक : 4.1.1

पारिवारिक नियंत्रण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :-

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
1.	समूह के मध्य	3125.814	5	625.163	.713	.614
	समूह के अन्तर्गत	239316.494	273	876.617		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.1.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक नियंत्रण के प्रभाव के लिये 'एफ' का मान .713 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इसका अर्थ यह है कि अनु जनजाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक नियंत्रण के प्रभाव का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.2 संरक्षण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोधकार्य की दूसरी परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक संरक्षण के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह होता है कि पारिवारिक संरक्षण के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता। इसका परीक्षण करने के लिये निम्न तालिका क्र. 4.2.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.2.1

पारिवारिक संरक्षण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :-

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
2.	समूह के मध्य	3373.910	5	674.782	.771	.572
	समूह के अन्तर्गत	239068.398	273	875.708		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.2.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक संरक्षण के प्रभाव के लिए "एफ" का मान .771 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इस–लिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं का शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक संरक्षण के प्रभाव का कोई सार्थ प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.3 दंड के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की तीसरी परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक दंड के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक दंड के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.3.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.3.1

पारिवारिक दंड के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
3.	समूह के मध्य	8144.643	5	1628.929	1.898	.095
	समूह के अन्तर्गत	234297.665	273	858.233		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.3.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक दंड के प्रभाव के लिए 'एफ' का मान 1.898 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक दंड के प्रभाव का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.4 अनुपालन के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की चौथी परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक अनुपालन के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक अनुपालन का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.4.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक : 4.4.1

पारिवारिक अनुपालन के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
4.	समूह के मध्य	6373.554	5	1274.711	1.474	.198
	समूह के अन्तर्गत	236068.754	273	864.721		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.4.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक अनुपालन के लिये 'एफ' का मान 1.474 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक अनुपालन के प्रभाव का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.5 सामाजिक विलगन के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की पांचवी परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक सामाजिक विलगन के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।'** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक सामाजिक विलगन के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.5.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.5.1

पारिवारिक सामाजिक विलगन के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
5.	समूह के मध्य	1171.402	3	390.467	.445	.721
	समूह के अन्तर्गत	241270.906	275	877.349		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.5.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक सामाजिक विलगन के लिए 'एफ' का मान .445 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक सामाजिक विलगन का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.6 पुरस्कार के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की छठवीं परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक पुरस्कार के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक पुरस्कार के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.6.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.6.1

पारिवारिक पुरस्कार के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मूक्चांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
6.	समूह के मध्य	7875.383	5	1575.077	1.833	.107
	समूह के अन्तर्गत	234566.925	273	859.220		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.6.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक पुरस्कार के लिए 'एफ' का मान 1.833 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक पुरस्कार के प्रभाव का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.7 पालन पोषण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की सातवीं परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक पालन पोषण के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक पालन पोषण के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.7.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.7.1

पारिवारिक पालन पोषण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मूक्चांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
7.	समूह के मध्य	2735.103	4	683.776	.782	.538
	समूह के अन्तर्गत	239707.205	274	874.844		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.7.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक पालन पोषण के लिए 'एफ' का मान .782 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक पालन पोषण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.8 विशेषाधिकार से वंचितता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की आठवीं परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक विशेषाधिकार से वंचितता के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक विशेषाधिकार से वंचितता के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.8.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.8.1

पारिवारिक विशेषाधिकार से वंचितता के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
8.	समूह के मध्य	1330.605	3	443.535	.506	.679
	समूह के अन्तर्गत	241111.703	275	876.770		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.8.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक विशेषाधिकार से वंचितता के लिए 'एफ' का मान .506 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक विशेषाधिकार से वंचितता का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.9 नामंजूरी के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की नवमी परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक नामंजूरी के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक नामंजूरी का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.9.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.9.1

पारिवारिक नामंजूरी के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मूक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
9.	समूह के मध्य	6085.767	4	1521.442	1.764	.136
	समूह के अन्तर्गत	236356.542	274	862.615		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.9.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक नामंजूरी के लिए 'एफ' का मान 1.764 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक नामंजूरी का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.10उन्मुक्तता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की दसवीं परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक उन्मुक्तता के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक उन्मुक्तता के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.10.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.10.1

पारिवारिक उन्मुक्तता के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मूक्वांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुमान	सार्थकता स्तर
10.	समूह के मध्य	2892.563	5	578.513	.659	.655
	समूह के अन्तर्गत	239549.745	273	877.472		
	योग	242442.308	278			

तालिका क्रमांक 4.10.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक उन्मुक्तता के लिए 'एफ' का मान .659 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक उन्मुक्तता का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।

4.11उपस्थिति के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण :-

इस शोध कार्य की ग्यारहवीं परिकल्पना यह है कि **"अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक उपस्थिति के प्रभाव का सार्थक अन्तर नहीं है।"** इसका अर्थ यह है कि पारिवारिक उपस्थिति के प्रभाव का अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। तालिका क्रमांक 4.12.1 में 'टी' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.11.1

पारिवारिक उपस्थिति के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता :

अ.क्र.	उपस्थिति	संख्या	मध्यमान विचलन	प्रमाणिक	'टी' अनुमान	मूक्तांश स्तर	सार्थकता
11.	<90	166	244.75	31.01	.264	277	.792
	>90	133	223.62	27.34			

तालिका क्रमांक 4.11.1 से ज्ञात होता है कि पारिवारिक उपस्थिति के लिए 'टी' का मान .264 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नही है, इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका अर्थ यह है कि अनु. जन जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक उपस्थिति का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया है।